सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 35 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 10 मार्च, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अगर हर कोई साथ में आगे बढ़ रहा है तो सफलता खुद अपना ख्याल रख लेती है।
-हेनरी फोर्ड

राज्यसभा के सभापति सत्तारूढ़ व्यवस्था के... 2 | कहीं 2024 में उल्टा न पड़ जाए... 3 | जो खुद भ्रष्टाचारी वो सपा पर लगा... 7

लालू के करीबियों पर रेड सियासत भी लाल

दिल्ली, मुंबई, नोएडा और पटना में छापेमारी

» तेजस्वी के घर ईडी पहुंची, 3 बेटियों हेमा, रागिनी और चंदा के घर भी सर्च

» पूरे देश में केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को लालू यादव के करीबियों के दिल्ली, मुंबई, नोएडा और पटना में 15 जगहों पर छापेमारी की है। उधर छापेमारी पर सियासी वार-पलटवार भी जारी है। जहां राजद ने इसको मोदी सरकार की तानाशाही करार दिया है। वहीं विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में बीआरएस की नेता के कविता समेत 17 दलों ने भाग लिया।

जानकारी के अनुसार लालू यादव की तीन बेटियों के घर भी रेड की गई है। हेमा, रागिनी और चंदा का घर दिल्ली में है, जिनके घर पर ईडी की टीम मौजूद है। सूत्रों की मानें तो बिहार के उप मुख्यमंत्री और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के दिल्ली आवास पर भी ईडी की टीम पहुंची है। पटना में आरजेडी के पूर्व विधायक के अबू दोजाना के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची है।

लालू जी का परिवार डरना नहीं लड़ना जानता हैं : रोहिणी

ईडी की कार्रवाई को लेकर लालू यादव की बेटी रोहिणी ने एक के बाद एक दो ट्वीट किए। ट्वीट में उन्होंने लिखा-भाजपा सरकार का हिटलर शाही फरमान है, ईमान बेचने का पैगाम है, मगर झुकने को तैयार नहीं, बिहारी माटी का जो लालू तेजस्वी लाल है..। इससे पहले लिखा- लालू जी और लालू जी का परिवार डरना नहीं लड़ना जानते हैं।

लालू, राबड़ी समेत 16 को 15 मार्च को पेश होने के आदेश

27 फरवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, पूर्व सीएम और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बड़ी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती को समन जारी किया। जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में सीबीआई की चार्जशीट पर कोर्ट ने समन जारी किया था। जिसमें 15 मार्च को कोर्ट में सभी को पेश होने के आदेश दिए गए हैं।

के. कविता के साथ 17 दलों ने मोदी को घेरा

» महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग पर भूख हड़ताल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की वरिष्ठ नेता तथा पार्टी प्रमुख व तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की पुत्री के. कविता संसद में महिला आरक्षण बिल प्रस्तुत किए जाने की मांग को लेकर नई दिल्ली में भूख हड़ताल कर रही हैं। महिला आरक्षण बिल का समर्थन करने के लिए के कविता ने सोनिया गांधी को धन्यवाद दिया । राष्ट्रीय राजधानी के जंतर मंतर पर दिनभर चलने वाली के. कविता की भूख हड़ताल में कई पार्टियों के नेताओं के शामिल होने की संभावना है, जिनमें आप, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), नेशनल कॉन्फ्रेंस, जनता दल यूनाइटेड (जदयू), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी (सपा) अकाली दल,पीडीपी, सीपीआई, आरएलडी पार्टी समेत 17 विपक्षी दलों के नेता भी मौजूद हैं। के. कविता ने गुरुवार को कहा था कि विरोध प्रदर्शन के तौर पर की जा रही भूख हड़ताल के दौरान 18 पार्टियों ने शिरकत की पुष्टि की थी। कविता ने कहा कि पिछले 27 सालों से महिला आरक्षण बिल के लिए संघर्ष चल रहा है। कितनी भी सरकारें बदलीं, उसे मंजूरी नहीं मिली। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। हम इस विधेयक के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

इडी को पता नहीं क्यों है जल्दी : बीआरएस नेत्री

गौरतलह है कि दिल्ली के शराब नीति घोटाले के सिलसिले में बीआरएस की नेता से शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूछताछ करने वाला है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान के. कविता ने कहा था, हमने महिला आरक्षण बिल को लेकर दिल्ली में भूख हड़ताल के लिए 2 मार्च को एक पोस्टर जारी किया था। ईडी ने मुझे 9 मार्च को समन किया... मैंने 16 मार्च के लिए दरख्वास्त की, लेकिन न जाने क्या जल्दी है उन्हें, सो, मैं 11 मार्च के लिए मान गई। के .कविता ने कहा मुझसे सवाल करने के लिए ईडी जल्दबाज़ी क्यों कर रही है, और क्यों उन्होंने मेरे विरोध प्रदर्शन से एक दिन पहले का वक्त चुना...? पूछताछ एक दिन बाद भी हो सकती थी।

सिसोदिया पर सुनवाई आज, इडी ने भी किया गिरफ्तार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार को ईडी ने सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को दो बजे दिल्ली के कोर्ट में सिसोदिया के मामले की सुनवाई होगी। ईडी से पहले सीबीआई ने उन्हें कथित शराब घोटाले के तहत गिरफ्तार किया था।

ईडी ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई से एक दिन पहले यह कार्रवाई की। वहीं, गिरफ्तारी को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर प्रतिक्रिया दी।

भाजपा जेल में डालकर नहीं कर सकती कमजोर : सिसोदिया

तिहाड़ जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने को देश के नाम खुला पत्र लिखा। भाजपा की केंद्र सरकार पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए सिसोदिया ने लिखा कि भाजपा लोगों को जेल में डालने की राजनीति कर रही है। हम बच्चों को पढ़ाने की राजनीति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का गुनाह इतना है कि प्रधानमंत्री के समक्ष वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर दी, इसलिए केजरीवाल सरकार के दो मंत्री फिलहाल जेल में हैं। जेल की राजनीति भले ही सफल होते दिख रही है, लेकिन भारत का भविष्य स्कूल की राजनीति में है। अगर पूरे देश की राजनीति तन-मन-धन से शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के काम में जुट गई होती तो देश में हर बच्चे के लिए विकसित देशों की तरह अच्छे स्कूल बन गए होते।

केजरीवाल बोले- जनता देख रही है

सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा है मनीष को पहले सीबीआई ने गिरफ्तार किया। सीबीआई को कोई सबूत नहीं मिला, रेड में कोई पैसा नहीं मिला। कल बेल पर सुनवाई है। कल मनीष छूट जाते। तो आज इडी ने गिरफ्तार कर लिया। इनका एक ही मकसद है- मनीष को हर हालत में अंदर रखना। रोज नये फर्जी मामले बनाकर। जनता देख रही है। जनता जवाब देगी।

यूपी कैबिनेट ने खेल नीति को दी मंजूरी

» राशन कार्ड धारक को राशन प्राप्ति की रसीद मिलेगी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शुक्रवार को प्रदेश के लिए खेल नीति को मंजूरी दे दी गई। बैठक में कुल 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसमें चार निजी विश्विद्यालय को आशय पत्र जारी करने की मंजूरी दी गई है।

बैठक में स्क्रैप वाहन को निष्प्रयोज करने पर दी जाने वाली छूट पर भी मंजूरी दी गई है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या में दो किलोमीटर मार्ग के चौड़ीकरण और विस्तारीकरण की मंजूरी मिली है। 65 करोड़ रुपये खर्च आएगा। पुलिस कमिश्नर प्रणाली में गुंडा एक्ट में एडीएम, जॉइंट सीपी और एडिशनल सीपी को भी कार्रवाई का अधिकार दिया गया है। राशन कार्ड धारक को राशन प्राप्ति की रसीद मिलेगी और मोबाइल पर सन्देश भी मिलेगा। इसके लिए नई नोडल एजेंसी तय की जाएगी। विधानमंडल के बजट सत्र के सत्रावसान की मंजूरी मिली है।

राज्यसभा के सभापति सत्तारूढ़ व्यवस्था के चीयरलीडर नहीं : जयराम रमेश

» बोले-अम्पायर की भूमिका निभाएं जगदीप धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राहुल गांधी की आलोचना को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर हमला बोला है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राज्यसभा के सभापति को अम्पायर की भूमिका में होना चाहिए, वह किसी सत्तारूढ़ व्यवस्था का चीयरलीडर नहीं हो सकते हैं।

कांग्रेस ने यह प्रतिक्रिया तब दी जब धनखड़ ने राहुल गांधी के संसद में विपक्ष का माइक बंद किए जाने के बयान की कड़ी आलोचना की। बता दें कि धनखड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की परोक्ष रूप से आलोचना करते हुए कहा कि विदेशी धरती से यह कहना मिथ्या प्रचार और देश का अपमान है कि भारतीय संसद में माइक बंद कर दिया जाता है। जयराम रमेश के अनुसार, राहुल गांधी के बारे में उपराष्ट्रपति का बयान हैरान करने वाला है तथा उन्होंने सरकार का बचाव किया जो निराशाजनक है। उन्होंने कहा राहुल गांधी पर उपराष्ट्रपति का बयान चौंकाने वाला है, क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति का कार्यालय संविधान से बंधा होता है और वह राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभाते हैं।

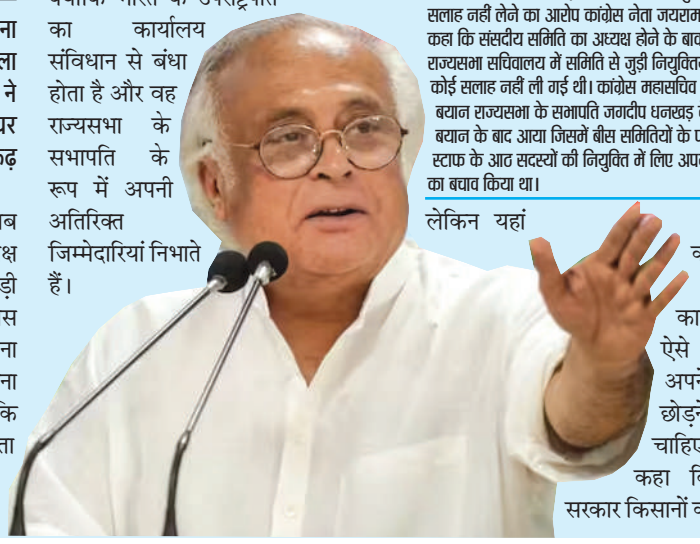

समिति की नियुक्तियों में सलाह नहीं लेते उपराष्ट्रपति

जयराम रमेश का धनखड़ पर समिति की नियुक्तियों में सलाह नहीं लेने का आरोप कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि संसदीय समिति का अध्यक्ष होने के बावजूद राज्यसभा सचिवालय में समिति से जुड़ी नियुक्तियों में उनसे कोई सलाह नहीं ली गई थी। कांग्रेस महासचिव का यह बयान राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के उस बयान के बाद आया जिसमें बीस समितियों के पर्सनल स्टाफ के आठ सदस्यों की नियुक्ति में लिए अपने फैसले का बचाव किया था।

लेकिन यहां कई कार्यालय ऐसे हैं जिन्हें अपने दुराग्रह छोड़ने चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसानों की जमीन को पूंजीपतियों को सौंपना चाहती थी पर इस साजिश को किसानों के आंदोलन के चलते कुछ समय के लिए नाकाम कर दिया गया। चूंकि सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अहमदाबाद में भारत-आस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट टेस्ट मैच का जिक्र करते हुए कहा कि अपने जीवनकाल में अपने ही नाम पर बनवाए स्टेडियम में सम्मानित होने पर इन सवालों को पूछने का उचित समय है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के कठोर श्रम से भारत के खाद्यान्न रसद को एक समूह को सौंपने की साजिश है। सरकार के कृषि के काले कानून वापस लेने से यह साजिश कुछ समय के लिए टल गई है। उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि उपभोक्ता मामले और खाद्यान्न वितरण मंत्रालय सीडब्ल्यूसी के पक्ष में हैं जबकि वाणिज्य और कानून मंत्रालय मुंद्रा पोर्ट के पास स्थित दो प्रमुख सीडब्ल्यूसी वेयरहाउसों को अपने नियंत्रण में लेना चाहते हैं।

किसानों ने टाली मोदी सरकार की साजिश

कर्नाटक में चार बार के भाजपा एमएसली कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। कर्नाटक में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है। यहां भाजपा से चार बार के विधान परिषद के सदस्य रहे दिग्गज नेता पुत्तन्ना ने पद और पार्टी से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस जॉइन कर ली। उन्हें एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, एलओपी सिद्धारमैया और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। बता दें कि एक दिन पहले ही पुत्तन्ना ने एमएलसी और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। पुत्तन्ना विधान परिषद के चार बार के सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण और रामनगर जिलों के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। पुत्तन्ना को अक्टूबर 2020 में विधान परिषद के लिए दोबारा चुना गया था और उनका कार्यकाल अक्टूबर 2026 को खत्म होना था।

योगी सरकार विफलता छिपाने को कुछ भी कर सकती है: बसपा सुप्रीमो

» उमेश पाल हत्याकांड : शूटरों के एनकाउंटर पर उठाया सवाल, कहा- हो सकता है दूसरा विकास दुबे कांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने प्रयागराज में राजूपाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या करने वाले शूटरों के एनकाउंटर पर सवाल उठाया है। उन्होंने बयान दिया कि उमेश पाल हत्याकांड के बाद इस संबंध में काफी आपाधापी में अब तक की गई पुलिस कार्रवाई जो जनता के सामने आई है, उससे लोगों में यूपी में कानून के राज के प्रति भारी संदेह है कि क्या सरकार अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए दूसरा विकास दूबे काण्ड करेगी?

उन्होंने कहा कि राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की दिन

दहाड़े हुई हत्या को लेकर यूपी सरकार खासकर कानून व्यवस्था को लेकर काफी तनाव व दबाव में है। पूरा देश देख रहा है कि क्या सरकार कानून द्वारा कानून के राज पर अमल करेगी या अपराधियों को सड़क पर समाप्त करके अपराध रोकेगी? बसपा प्रमुख इससे पहले भी समय-समय पर मोदी व योगी सरकार पर कभी अर्थव्यवस्था तो कभी आरक्षण पर हमले करतीं रहीं हैं।

मायावती के खिलाफ कोई मामला नहीं

» उपराज्यपाल बोले-दिल्ली में नहीं चलेगा मुकदमा, अनुमति देने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कथित रूप से धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ अब मुकदमा नही चलेगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह मामला छत्तर सिंह राछोया की ओर से 20 अगस्त 2019 को दायर शिकायत पर आधारित है जो उन्होंने पश्चिमी दिल्ली के जिलाधिकारी, गृह सचिव, भारत सरकार और उपराज्यपाल को दी थी और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 196 के तहत

मायावती के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने का आग्रह किया था। मामले का निपटान करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि मेरा मानना है कि प्रथम दृष्टया मायावती के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। इसलिए, सीआरपीसी 1973 की धारा 196 के तहत अभियोजन स्वीकृति के अनुरोध को खारिज किया जाता है।

बहन जी ने की थी खुद की प्रतिमा बनाने की बात

राछोया ने अपनी शिकायत में उच्चतम न्यायालय में दाखिल मायावती के उस हलफनामे का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उत्तर प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी अयोध्या में भगवान राम की 221 मीटर की मूर्ति सरकारी धन का उपयोग करके बना सकती है, तो वह खुद की प्रतिमा क्यों नहीं बना सकती हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि इससे उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है क्योंकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख ने खुद की तुलना भगवान राम से की है। राछोया ने कहा कि उन्होंने मायावती के खिलाफ नांगलोई के एसएचओ और सीआरपीसी की धारा 200 और 156 (3) के तहत तीस हजारी अदालत के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। सीआरपीसी की धारा 196 के तहत प्रक्रियात्मक रोक के कारण, अदालत मामले में संज्ञान लेने में असमर्थ थी और इसलिए, उन्होंने दिल्ली सरकार से प्रावधान के तहत मंजूरी देने का अनुरोध किया।

बजट पेश करने वालों पर कैसे करें विश्वास : आदित्य ठाकरे

» कहा-आश्वासन देने वाले गद्दार हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने राज्य का बजट पेश किया। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव बालासाहेब ठाकरे शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि जो लोग बजट में आश्वासन दे रहे हैं, वो गद्दार हैं। ऐसे में उनकी बात पर विश्वास कैसे किया जा सकता है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि बजट में सभी को आश्वासन दिया गया है लेकिन सवाल ये है कि इनमें से कितने पूरे होंगे। जो लोग आज आश्वासन दे रहे हैं, वो गद्दार हैं। ऐसे में उन पर विश्वास कैसे किया जा सकता है।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि 2015-19 में भी सरकार ने वादे किए थे लेकिन उनमें से कितने पूरे हुए? बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बजट पेश किया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस बजट को ऐतिहासिक और समावेशी करार दिया। उन्होंने कहा कि इस बजट में छात्रों, बुजुर्गों, महिलाओं सभी के लिए कुछ ना कुछ है। राज्य के वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को विधानसभा में बजट पेश किया।

कहीं 2024 में उल्टा न पड़ जाए दांव

छापेमारी को मुद्दा बना सकता है विपक्ष

» भाजपा को घेरने की तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस तरह से केंद्र की मोदी सरकार विपक्षी नेताओं के यहां ईडी व सीबीआई के छापे डलवा रही है उससे सियासी संग्राम मचना लाजमी था। इस तरह की कार्रवाई पूरे देश में हो रही है। सियासी जानकारों की माने तो आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में इस मुद्दे को विपक्ष पूरे जोर-शोर से उठा सकता है। और इसीके बहाने बीजेपी व मोदी सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। अगर विपक्ष की बात जनता को समझ में आ गई तो इसका नुकसान भाजपा को हो सकता है। वहीं भ्रष्टाचार के नाम पर बीजेपी की विपक्ष को बदनाम करने का दांव उल्टा भी पड़ सकता है। इस तरह की कार्रवाई पर विपक्ष के आठ दलों ने प्रधानमंत्री को लिखी है और जिसमें दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ़्तारी का विरोध किया गया है।

इस चिट्ठी में केंद्र सरकार पर खुला आरोप लगाया गया है कि वह केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी, का घोर दुरुपयोग कर रही है। हैरत की बात यह है कि जिन नीतीश कुमार के जनतादल यू की सरकार तेजस्वी यादव के राष्ट्रीय जनता दल के साथ चल रही है वही एकमत नहीं हैं। बात चलती रहती है कि नीतीश कुमार विपक्ष के प्रधानमंत्री प्रत्याशी भी हो सकते हैं, वही नीतीश अपने गठबंधन के साथी राजद से ही एकमत नहीं हैं।

दरअसल, राजद के अपने दुख हैं। लालू प्रसाद यादव व राबड़ी देवी के घर केंद्रीय एजेंसी की पूछताछ चली। जहां तक तेलंगाना वालों का सवाल है, वहाँ के मुख्यमंत्री की बेटी का नाम दिल्ली के शराब नीति मामले से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस भी सिसोदिया मामले में नीतीश कुमार के साथ है। इन दोनों ने प्रधानमंत्री को लिखी गई चिट्ठी पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

विपक्षी दलों के मतभेदों का फायदा सत्तारुढ़ दल को

दरअसल, सरकार और विपक्ष में कोई भी रहा हो, विपक्षी दलों के मतभेदों का फ़ायदा हमेशा सत्तारूढ़ दल उठाता रहा है। कांग्रेस को छोड़ दिया जाए तो जो छोटे विपक्षी दल हैं, उनका राज्यों में अलग-अलग हित होता है। वे पहले अपना राज्य देखते हैं, राष्ट्रीय राजनीति उसके बाद देखी जाती है। हो सकता है कांग्रेस के कुछ मामलों में पहले आप पार्टी साथ नहीं आई होगी, इसलिए सिसोदिया मामले में कांग्रेस ने चिट्ठी का समर्थन नहीं किया। सिसोदिया की गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्ष के 9 नेताओं ने प्रधानमंत्री को खत लिखा था। सिसोदिया की गिरफ्तारी के खिलाफ विपक्ष के 9 नेताओं ने प्रधानमंत्री को खत लिखा था। छोटे दलों की लड़ाई राष्ट्रीय पार्टियों की तरह किसी एक दल से नहीं होती। वे कहीं भाजपा के खिलाफ लड़ रहे होते हैं तो कहीं कांग्रेस के खिलाफ। कहीं-कहीं तो इन छोटे-छोटे दलों को एक-दूसरे के खिलाफ ही लड़ना पड़ता है। ऐसे में विपक्षी एकता बिखर जाती है। यही वजह है कि विपक्ष पूरी तरह एक नहीं हो पाता। जहां तक जद यू का सवाल है, वह केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग की विपक्ष की बात से तो पूरी तरह सहमत है और केंद्र की भाजपा सरकार को कोसता भी है, लेकिन सिसोदिया मामले में वह विपक्ष की चिट्ठी से सहमत नहीं है। निश्चित ही आप पार्टी और नीतीश कुमार का कोई आपसी मतभेद आड़ा आया होगा।

मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भी होगा असर

ज़ोर-आज़माइश जारी है और विपक्षी एकता की क़वायद भी। मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे बड़े राज्यों के चुनाव सामने हैं। इनमें विपक्ष कितना एक हो पाएगा और इन चुनावों के बाद 2024 में होने वाले आम चुनावों में विपक्ष का क्या हाल होगा, यह तो भविष्य ही बताएगा, लेकिन इनकी जितनी और जो कुछ भी एकता है, उसे बिखेरने के पूरे प्रयास भाजपा करती रहेगी।

कांग्रेस का साथ जरूरी है : पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का खुल्लम-खुल्ला दुरुपयोग किए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ विपक्षी दलों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र पर कांग्रेस और वाम दलों ने हस्ताक्षर नहीं किए थे। साथ ही, पवार ने कहा कि उन्होंने पत्र पर हस्ताक्षर के लिए इन राजनीतिक दलों के साथ बातचीत नहीं की थी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और आठ अन्य दलों की ओर से लिखे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में महाराष्ट्र में विपक्षी खेमे से पवार और शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे शामिल हैं। पवार ने कहा कि सबसे पहले उन्होंने ही पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इसका संज्ञान लेंगे। कांग्रेस और वाम दलों द्वारा पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने और यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने दोनों दलों से बातचीत की थी, पवार ने कहा, कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा, जिन 5-10 लोगों से मैंने उनके हस्ताक्षर के लिए कहा, उनके हस्ताक्षर पत्र पर हैं। जिनसे मैंने हस्ताक्षर करने का अनुरोध नहीं किया, उनके हस्ताक्षर पत्र पर नहीं हैं। विपक्षी दलों के बीच एकता की जरूरत और कांग्रेस की भूमिका के बारे में उनके विचार पूछे जाने पर पवार ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस का होना जरूरी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस देश में एक महत्वपूर्ण पार्टी है। इसकी सफलताओं और असफलताओं को किनारे रख दीजिए, आज पार्टी के कार्यकर्ता हर गांव और प्रत्येक राज्य में है। जिस तरह कांग्रेस महत्वपूर्ण है, उसी तरह (तृणमूल कांग्रेस की) ममता बनर्जी भी अन्य नेताओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया व्याख्यान के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि यदि राहुल ने वहां तथ्य रखे थे तो परेशान होने की क्या बात है।

चुनाव आयोग की ताकत

हद में रहेगी सियासत

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दूरगामी असर

» भाजपा- विपक्ष ने किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने भारतीय निर्वाचन आयोग संबंधित एकअहम फैसला दिया है, जिसमें उसने मुख्य निर्वाचन आयुक्त व निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की तरह व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सभी दलों ने स्वागत किया है। जानकारों की माने तो इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। इससे सरकारों पर जो ये आरोप लगते हैं कि चुनाव के समय वो चुनाव आयोग का इस्तेमाल करते उस पर कुछ हद तक लगाम लग सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग का गठन करने के नियम बदल दिए हैं। अब प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सर्वोच्च न्यायाधीश को मिलाकर बनी कमेटी जिन नामों की सिफारिश करेगी, राष्ट्रपति उन्हीं में से आयोग के मुखिया और उनके सहयोगी आयुक्तों को चुनेंगे। अब उम्मीद है कि इन नई प्रक्रिया से यह आयोग अधिक स्वायत्त, स्वतंत्र और सरकारी दबावों से मुक्त बनेगा। यह हमारे लोकतंत्र के लिए एक खुशखबरी है। जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 324 में पहले से ही दर्ज था, यह व्यवस्था तब तक चलती रहेगी जब तक संसद आयोग के गठन के बारे में कानून नहीं बना देती। यहां सोचने की बात यह है कि अगर संसद पिछले तिहत्तर सालों में अपनी यह जिम्मेदारी निभा देती तो सुप्रीम कोर्ट को यह हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं पड़ती। जाहिर है कि न इस सरकार और न ही किसी और सरकार ने इस बारे में पहलकदमी लेने की कोशिश की। यह हालत निर्वाचन आयोग के गठन की ही नहीं है, बल्कि चुनाव सुधारों के समग्र प्रश्न की भी है। चुनाव प्रक्रिया को बेहतर बनाने, चुनाव प्रणाली में सुधार लाने, उसमें खर्च होने वाली रकम के नियमन में, उस पर से बाहुबल-धनबल-जातिबल का रुतबा हटाने के मामले में दिया गया हर सुझाव ठंडे बस्ते में डाला जाता रहा है।

चुनाव-सुधारों पर भी ध्यान देने का समय

चुनाव-सुधारों की जरूरत की ओर सबसे पहले सत्तर के दशक में जयप्रकाश नारायण का ध्यान गया था। उन्होंने न्यायमूर्ति वी.एम. तारकुण्डे की अगुआई में एक समिति गठित की, जिसकी रपट 1975 में सामने आई। इसके बाद से कई कमेटियों, आयोगों और अध्ययनों का सिलसिला शुरू हो गया। 1990 में दिनेश गोस्वामी कमेटी गठित की गई। 1998 में इंद्रजीत गुप्ता कमेटी ने मुख्य रूप से चुनाव में खर्च होने वाले धन की समस्या पर विचार किया। 1999 में विधि आयोग ने 170 पृष्ठ की रपट जारी की, जिसमें व्यापक चुनाव सुधारों की सिफारिशें की गई थीं। निर्वाचन आयोग भी अरसी के दशक से ही चुनाव सुधारों के लिए तरह-तरह की पहलकदमियां लेता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के कई फैसलों ने भी कई पहलुओं से चुनाव-प्रक्रिया को सुधारा है। विरोधाभास यह है कि इन प्रयासों के बावजूद चुनाव-प्रक्रिया से धनबल, बाहुबल और पराधीकरण को बहिष्कृत नहीं किया जा सका है। इसका सबसे बड़ा कारण है दलों की हिचक, जिससे भारतीय लोकतंत्र निर्वाचन की आदर्श संरचनाओं से दूर बना हुआ है। जन-प्रतिनिधित्व कानून की धारा 77 की उपधारा (1) का ताल्लुक चुनाव में होने वाले खर्चे से है। मूलत: इसका मतलब था उम्मीदवार के दोस्तों और रिश्तेदारों या उसके एजेंटों द्वारा किए जाने वाले व्यय को भी खर्च सीमा के तहत लाना। खर्च सीमा के उल्लंघन का अर्थ था चुनाव ल?ने पर छह साल की पाबंदी। 1975 में सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में उठे विवाद पर विचार करके फैसला दिया था कि दोस्तों, एजेंटों और राजनीतिक दलों द्वारा किया जाने वाला खर्च भी उम्मीदवार द्वारा किए जाने वाले व्यय में शुमार किया जाना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट की बात मान ली जाती तो चुनाव को धनबल के जरिए प्रभावित करने पर काफी हद तक रोक लग सकती थी। लेकिन फैसला आने के फौरन बाद एक अध्यादेश जारी करके उपधारा (1) में एक व्याख्या जोड़कर इसे निष्प्रभावी कर दिया गया। बाद में यह अध्यादेश संसद द्वारा जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन की तरह पारित हो गया।

चुनाव का गंभीरता से प्रबंधन

मुख्य चुनाव आयुक्त बनने पर टीएन शेषन ने दो अगस्त 1993 को अपने एक आदेश द्वारा चुनाव आयोग की स्वायत्त संवैधानिक हैसियत का अहसास सरेआम करवा दिया। उसी के जरिये उन्होंने नेताओं और नौकरशाही को जता दिया कि चुनाव प्रबंधन गंभीर कार्यपालिक कार्य है और उसमें कोताही सभी वर्गों को भारी पड़ेगी। उन्होंने साफ चुनौती दी कि सरकार जब तक चुनाव आयोग के संवैधानिक अधिकारों, शक्तियों को नहीं मानती, तब तक आयोग देश में कोई भी चुनाव आयोजित नहीं करेगा। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने इसे लोकतंत्र की तालाबंदी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने उन्हें पागल बता दिया, मगर वे टस से मस नहीं हुए। इसलिए पश्चिम बंगाल में राज्यसभा चुनाव को बीच में ही रोकना पड़ा।

शेषन ने नेताओं को कराया था चुनाव आयोग की हैसियत का अहसास

शेषन ने अपने संवैधानिक पद के बूते चुनाव व्यवस्था को चलताऊ रवैये से निजात दिलाकर जवाबदेह प्रणाली में विकसित किया। हालांकि उनके बाद यह मुहिम कुछ कमजोर पड़ी। लगभग 90 करोड़ मतदाताओं वाले इस देश को टीएन शेषन ने निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी प्रावधान सख्ती से लागू करके पहली बार यह अहसास कराया था कि चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और उसकी शुचिता सर्वोपरि है। उन्होंने जता दिया कि चुनाव आयोग द्वारा चुनाव को भरसक निष्पक्ष संचालित कराने पर ही असली जन प्रतिनिधित्वकारी सरकार बन सकती है। बाद में मुख्य चुनाव आयुक्त जेएम लिंगदोह ने भी बहुत सख्ती से सारे प्रावधान लागू किए। लिंगदोह ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव की भी आचार संहिता बना दी। लिंगदोह ने भी अपने मुख्य चुनाव आयुक्त काल में हुए तमाम चुनावों में भ्रष्ट तौर-तरीकों पर अधिकतम अंकुश लगाया। टीएन शेषन ने जन समर्थन के मद में चूर नेताओं में सबसे अधिक सख्ती बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद पर की। उन्होंने होम गार्ड की सुरक्षा में बिहार का विधानसभा चुनाव कराने का लालू प्रसाद का दबाव सख्ती से दरकिनार करके पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में मतदान कराया। शेषन ने चुनाव प्रचार की समय सीमा रात के 10 बजे मुकर्रर की और प्रचार सामग्री को घरों अथवा सरकारी दफ्तरों की दीवारों पर चिपकाने पर रोक लगा दी। उन्होंने चुनाव प्रचार में खर्च की सीमा की निगरानी भी कड़ाई से कराई तथा मतदान की पूर्व संध्या में मतदाताओं को प्रभावित करने के शराब अथवा पैसे बांटने जैसे हथकंडों को नेस्तनाबूद किया। उन्होंने चुनाव आयोग के पर्यवेक्षकों को मैदानी वस्तुस्थिति के सटीक आंकलन तथा रिपोर्टिंग के लिए प्रोत्साहित किया। चुनाव आयोग ने मतदाताओं को उनके मत का महत्व बताने संबंधी जागरुकता अभियान भी चलाया। उन्होंने चुनाव आयोग को मतदाताओं की राय के रक्षक के रूप में पेश करके स्थानीय प्रशासन की मदद से उनके वोट लूटने पर रोक लगाई। तब से चले अभियानों की बदौलत ही आज अनेक राज्यों में लोग 70-80 फ़ीसद तक मतदान कर रहे हैं। उन्होंने 1990 से 1996 के दौरान चुनाव प्रणाली को मजबूत और जनोन्मुख बनाया। उनके काल में यह कहा जाता था कि नेता या तो भगवान से डरते हैं या फिर शेषन से।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भर्तियों के परीक्षा पत्र लीक न हो, बने एक तंत्र

अभी गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सरकारी भर्तियों के परीक्षा पत्र लीक होने की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए बजट सत्र में सरकार द्वारा लाए एक विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक के तहत ऐसे मामलों में शामिल लोगों को 10 साल तक की जेल और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने की सजा देने का प्रावधान है।

पूरे देश में सरकारी भर्तियों के परीक्षा पत्र लीक होने की खबरे आना आम बात है। केंद्र से लेकर राज्य सरकारें इन पर लगाम की बात करती हैं पर उचित कार्यवाही के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देती हैं। पर जब होहल्ला होता है तो सख्ती होने लगती है। अब समय आ गया है कि पूरे देश में ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जो इस पर निगरानी रखे और ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई करे । यूपी उत्तराखंड में इसकी कोशिश की गई। अभी गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सरकारी भर्तियों के परीक्षा पत्र लीक होने की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए बजट सत्र में सरकार द्वारा लाए एक विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक के तहत ऐसे मामलों में शामिल लोगों को 10 साल तक की जेल और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने की सजा देने का प्रावधान है। गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि सदन ने 24 फरवरी को गुजरात लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक 2023 सर्वसम्मति से पारित किया था और अब राज्यपाल देवव्रत ने इसे मंजूरी दे दी है । यह विधेयक उन लोगों पर नकेल कसने के लिए लाया गया है, जो किसी भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक करते हैं, अवैध तरीके से प्रश्न पत्र खरीदते हैं या गैरकानूनी तरीके से ऐसा कोई पत्र हल करते हैं।

विधेयक में कहा गया है कि ऐसी गतिविधि में शामिल किसी भी उम्मीदवार को तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है और उस पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। वहीं उत्तराखंड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू हो गया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अध्यादेश 2023 पर मुहर लगाई। नकल कराने या अनुचित साधनों में लिप्त पाए जाने पर उम्रकैद की सजा मिलेगी, साथ में 10 करोड़ तक का जुर्माना भी देना पड़ेगा और गैर जमानती अपराध में दोषियों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। अध्यादेश लागू होने की तिथि से ही यह प्रभावी होगा। अध्यादेश में संगठित होकर नकल कराने या अनुचित साधनों में लिप्त पाए जाने वाले मामलों में आजीवन कैद की सजा और 10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान है। इसके साथ ही आरोपियों की संपत्ति भी जब्त करने की व्यवस्था इस में की गई है। हालांकि इस तरह के कानूनों पर सियासत भी खूब होती है। बीजेपी जहां तारीफ कर रही है तो वहीं कांग्रेस सवाल खड़े करने का काम कर रही है,कैबिनेट मंत्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल का कहना है कि जो वादा युवाओं से सरकार ने किया था वो पूरा हो चुका है, सरकार की मंशा साफ है कि युवाओं को पारदर्शी परीक्षाओं का माहौल दिया जाएगा ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने भी इसी तरह के कानून बनाने की घोषणा की है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पूरे देश में एक समान शिक्षा होनी चाहिए

अश्विनी उपाध्याय

आरक्षण से 75 साल में नहीं बल्कि 7500 साल में भी सबको समान अवसर नहीं मिलेगा। सबको समान अवसर उपलब्ध कराना है तो 12वीं तक समान शिक्षा (एक देश एक शिक्षा बोर्ड और एक देश एक पाठ्यक्रम) लागू करना होगा। देखा जाये तो स्कूल माफियाओं के दबाव में 12वीं तक एक देश एक शिक्षा बोर्ड लागू नहीं हुआ। कोचिंग माफियाओं के दबाव में 12वीं तक एक देश एक पाठ्यक्रम लागू नहीं हुआ। किताब माफियाओं के दबाव में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान की एक किताब लागू नहीं हुई। समान शिक्षा बिना समता-समरसता मूलक समाज की स्थापना नामुमकिन है इसलिए जिस प्रकार पूरे देश में एक देश-एक कर लागू किया गया, उसी प्रकार 10वीं तक एक देश-एक सिलेबस भी लागू करना अति आवश्यक है। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और किताब एक होनी चाहिए।

वर्तमान समय में स्कूलों की पांच कैटेगरी हैं और किताब भी पांच प्रकार की हैं। आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी रेखा से नीचे के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, निम्न आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, मध्यम आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, उच्च आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है तथा संभ्रांत वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस बिलकुल ही अलग है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली संविधान की मूल भावना के बिलकुल विपरीत है। यह समता, समानता और समरसता मूलक समाज के निर्माण की बजाय जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, संप्रदायवाद, वर्गवाद, कट्टरवाद और मजहबी उन्माद को बढ़ती है लेकिन किताब माफियाओं, कोचिंग माफियाओं और स्कूल माफियाओं के दबाव के कारण मैकाले द्वारा बनाई गई शिक्षा प्रणाली आज भी लागू है। यदि बोर्ड के हिसाब से देखें तो CBSE की किताब और सिलेबस अलग, ICSE की किताब और सिलेबस अलग, बिहार बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, बंगाल बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, असम बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, कर्नाटक बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, तमिलनाडु बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, तथा गुजरात बोर्ड की किताबें और सिलेबस सबसे अलग हैं, जबकि भारतीय प्रशासनिक सेवा,

इंजीनियरिंग, मेडिकल, रक्षा सेवा, बैंक और अध्यापक पात्रता परीक्षा सहित अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं राष्ट्रीय स्तर पर पर होती हैं और पेपर भी एक होता है परिणाम स्वरूप इन प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के सभी छात्र-छात्राओं को समान अवसर नहीं मिलता है। भारतीय संविधान के आर्टिकल 14 के अनुसार देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं, आर्टिकल 15 के अनुसार जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, रंग-रूप लिंग और जन्म स्थान के आधार पर किसी भी भारतीय नागरिक से भेदभाव नहीं किया जा सकता है तथा आर्टिकल 16 के अनुसार नौकरियों में देश के सभी युवाओं को समान अवसर मिलना चाहिए। आर्टिकल 17 शारीरिक और मानसिक छूआछूत को प्रतिबंधित करता है और आर्टिकल 19 प्रत्येक नागरिक को देश में कहीं भी भ्रमण करने, बसने और रोजगार-व्यापार करने का अधिकार प्रदान करता है। आर्टिकल 21 के अनुसार शिक्षा 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है। आर्टिकल 38(2) के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह समस्त प्रकार की असमानता को समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। आर्टिकल 39 के अनुसार बच्चों के समग्र, समावेशी और संपूर्ण विकास के लिए कदम उठाना केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

आर्टिकल 46 के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब बच्चों के शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए विशेष कदम उठाना केंद्र और राज्य सरकार का कर्तव्य है। आर्टिकल 51-ए के अनुसार देश के सभी नागरिकों में भेदभाव की भावना समाप्त करना, आपसी भाईचारा मजबूत करना तथा वैज्ञानिक और तार्किक सोच विकसित करना केंद्र और राज्य सरकार का नैतिक कर्तव्य है लेकिन वर्तमान शिक्षा प्रणाली संविधान के उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूर्णत: असफल रही है। इस समय देश में 5+3+2+2+3 शिक्षा व्यवस्था लागू है अर्थात 5 साल प्राइमरी, 3 साल जूनियर हाईस्कूल, 2 साल सेकंडरी, 2 साल हायर सेकंडरी और 3 साल ग्रेजुएशन। यह व्यवस्था वर्तमान परिप्रेक्ष में बिलकुल अप्रभावी और अवांछित है इसलिए इसके स्थान पर 5+5+5 शिक्षा व्यवस्था लागू करना चाहिए अर्थात 5 साल प्राइमरी, 5 साल सेकंडरी और 5 साल ग्रेजुएशन। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन 10वीं तक सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और सभी बच्चों के लिए 10वीं तक शिक्षा अनिवार्य होना चाहिए।

एक स्त्री का महत्व लुक्स के आधार पर तय नहीं हो सकता

कहीं आपकी सेल्फ-इमेज को इसलिए तो धक्का नहीं लगता, क्योंकि आप सोशल मीडिया सितारों से खुद की तुलना करने लगी हैं, जिनका शरीर तराशा हुआ होता है? क्या इससे आपमें हीन-भावना जागती है? कहीं आप इस बात के लिए तो खुद से नफरत नहीं करने लगती हैं कि आप वैसा जीवन नहीं जी पा रही हैं, जो कभी भी आपकी वास्तविकता नहीं हो सकता था? अगर हां तो रुक जाइए। परफेक्ट महसूस करने के लिए आपका परफेक्ट दिखलाई देना जरूरी नहीं है।

मेघना पंत

जब हमें जीवन जीने के निर्देश नहीं दिए जा सकते तो ब्यूटी के इंस्ट्रक्शंस भी क्यों दिए जाएं। जब मैं आईने में देखती हूं तो मुझे क्या नजर आता है? यह एक ऐसा सवाल है, जो मैं रोज खुद से पूछती हूं। क्या मुझे एक ऐसी स्त्री दिखलाई देती है, जिसने अपना कॅरियर संवारा है, आठ किताबें लिखी हैं, जो दो प्रसन्न बच्चों की मां है, जिसने 35 से ज्यादा देशों की यात्राएं की है, जो तीन महाद्वीपों में रह चुकी है, पुरस्कार जीत चुकी है, मूवी डील्स साइन कर चुकी है, जो अपना पैसा खुद कमाती है और अपने नियमों पर जीती है? या क्या मुझे अपने शरीर पर वह पांच किलो अतिरिक्त वजन दिखलाई देता है, जिसे मैंने अपने बच्चों, घर, पति, करियर, पैरेंट्स, इन-लॉज, दोस्तों और कभी न खत्म होने वाले कार्यों की देखभाल, साज-सम्भाल, प्रबंधन करने के फेर में हासिल कर लिया है? और तब मुझे स्वयं को देख अच्छा लगता है या घृणा जगती है?

यह सवाल खुद से भी पूछें कि जब आप आईने में देखती हैं तो क्या दिखलाई देता है? क्या आप किसी पिम्पल को हटा देने के लिए झुकती हैं? क्या आप स्वयं के डील-डौल को देख नाराजगी से गुर्राने लगती हैं? कहीं आपकी सेल्फ-इमेज को इसलिए तो धक्का नहीं लगता, क्योंकि आप सोशल मीडिया सितारों से खुद की तुलना करने लगी हैं, जिनका शरीर तराशा हुआ होता है? क्या इससे आपमें हीन-भावना जागती है? कहीं आप इस बात के लिए तो खुद से नफरत नहीं करने लगती हैं कि आप वैसा जीवन नहीं जी पा रही हैं, जो कभी भी आपकी वास्तविकता नहीं हो सकता था? अगर हां तो रुक जाइए। परफेक्ट महसूस करने के लिए आपका परफेक्ट दिखलाई देना जरूरी नहीं है।

मौजूदा दौर में एक स्त्री का महत्व उसके लुक्स के आधार पर तय नहीं किया जा सकता। वास्तव में, स्त्रियों के लुक्स के प्रति यह जरूरत से ज्यादा लगाव, दूसरी स्त्रियों के शरीर और हमारे अपने शरीर के प्रति यह क्रुर ऑब्सेशन बहुत हैरान कर देने वाला है। पहले के समय में महिलाओं को इस आधार पर जज किया जाता था कि उन्हें उनके लुक्स के लिए जो निर्देश दिए गए हैं, उन्हें उन्होंने कितना अपनाया है, ताकि उन्हें यह पता रहे कि उन्हें निहारा जा रहा है। लेकिन महिलाओं को कैसा दिखना चाहिए, इसका पहले से तयशुदा मानदंड उन्हें शोषित रखने के लिए पर्याप्त था। क्योंकि जब पुरुष स्त्रियों की सुंदरता के मानकों का निर्धारण करते थे, तब वे स्वयं इन मानकों से मुक्त रहते थे। लेकिन अब यह बदल गया है। नौजवान पीढ़ी इन बातों को स्वीकार नहीं करती। वह जान चुकी है कि सुंदरता की विषमता के मूल में जो सत्ता-संघर्ष है, उसे सम्भव बनाने वाले सांस्कृतिक मानकों की विदाई जरूरी है। आज हम एक स्त्री के लुक्स को जज करने वाले पुरुषवादी विशेषाधिकार को विसर्जित कर चुके हैं। और इन मायनों में अब स्त्री और पुरुष की सुंदरता के पैमाने भी समान हो गए हैं।

ये सच है कि स्त्रियों को आज भी उनके लुक्स के आधार पर जज किया जाता है, लेकिन इसके साथ ही अब उनकी सोचने की क्षमता, प्रतिभा, आत्मविश्वास, सोशल मीडिया पर प्रभाव या उपलब्धियों आदि की भी ज्यादा कद्र की जाने लगी है। लोग अब इस बात को समझ गए हैं कि हमें अपने शरीर को नहीं, नियमों को बदलने की जरूरत है। यह हमें निश्चय करना चाहिए कि जब हम आईने में देखते हैं तो हमें क्या नजर आता है। हमारे आत्म-सम्मान को इतनी आसानी से अब झकझोरा नहीं जा सकता। बेहतरीन तरीके से क्यूरेटेड ऑनलाइन-जिंदगी जीने वालों की देह से हम हीन नहीं अनुभव कर सकते। एक स्त्री अपने शरीर और दिमाग को कैसे प्रोसेस करना या नहीं करना चाहती है, यह पूरी तरह से उसका निर्णय है। इसलिए जब आईने में खुद को देखें तो किसी पिम्पल, बड़ी नाक या बिखरे बालों को न देखें, बल्कि उस समग्र को निहारें, जिसने आपके अस्तित्व को उतना ही सम्पूर्ण बनाया है, जितनी कि आप हो सकती थीं। इन्हीं शब्दों के साथ आगामी स्त्री-दिवस की सभी को शुभकामनाएं। कहीं आपकी सेल्फ-इमेज को इसलिए तो धक्का नहीं लगता, क्योंकि आप सोशल मीडिया सितारों से खुद की तुलना करने लगी हैं, जिनका शरीर तराशा हुआ होता है? क्या आपमें हीन-भावना जागती है?

परिवार के साथ क्यों फायदेमंद रहती है यात्रा

यात्रा में मौज मस्ती के अलावा निश्चितता भी बढ़ जाती है जब परिवार साथ होता है। सबके साथ घूमने फिरने में जो आनंद है उसके अलावा सबसे बड़ी निश्चितता होती है किसी भी तरह की औपचारिकता का न होना। परिवार साथ है तो खर्चे को लेकर भी राहत आ जाती है। मन में यह भाव रहता है कि थोड़ा बहुत एक्स्ट्रा हुआ भी तो मिलकर संभाल लेंगे। फिर यही यादें जीवन भर के लिए मन में बस जाती हैं। साथ बिताये पल पूरे परिवार के लिए सकारात्मक ऊर्जा पाने का अवसर बन जाते हैं। सब इससे कुछ न कुछ नया सीखते भी हैं और एक-दूसरे को समझने का मौका भी पाते हैं। जब नई पीढ़ी नौकरी, शादी या पढ़ाई के लिए शहर या देश से बाहर जाती है तो पुराने एल्बम से यही यादें निकलकर माता पिता को साथ बिताये दिनों की तसल्ली देती है। इसके अलावा भी बहुत कुछ है जो परिवार के साथ यात्रा करने से अनुभव होता है।

खुशी इकट्ठा करने का मौका

चाहे आप दो दिन की छोटी सी वैकेशन पर ही क्यों न जाएं, साथ गुजारे गए पल आपको पूरे जीवन के लिए खुशियां सहेजने का मौका देते हैं। जब भी मन उदास हो या कोई उलझन घेरे, इन छुट्टियों में बिताए पलों के फोटो या वीडियो या मन में बैठी यादों को रिवाइंड कर लेने भर से आप प्रफुल्लित महसूस करने लगेंगे। ये वो पल होते हैं जब आप अपने बेस्ट स्वरूप में सबसे निश्चिन्त और खुश होते हैं। इसलिए छुट्टियों में बिताया समय हमेशा आपको खुशियां देने और तरोताजा करने का काम करता है। बल्कि कई बार तो ऐसी छुट्टियां रिश्तों में आने वाली कड़वाहट को दूर करने का भी जरिया बन जाती हैं।

एक-दूसरे की ताकत बनने का अवसर

अक्सर साथ रहते हुए भी परिवार के सदस्य इस साथ रहने की ताकत को नहीं समझ पाते। यह बात एक छोटी सी वैकेशन समझा सकती है। उदाहरण के लिए कहीं ठीक तरह से भोजन का इंतज़ाम न हो पाना, कहीं गाड़ी में कोई खराबी आ जाना, कहीं होटल में जगह न मिल पाना, आदि जैसी चुनौतियां सामने आने पर परिवार किस तरह एक साथ इनका सामना करता है और उनके पार निकलता है, यह एक प्रकार का मोटिवेशन होता है जो यात्रा के दौरान मिलता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को यह बात समझ में आती है कि हमें साथ पाने या मदद के लिए अपने परिवार से बढ़कर सहयोगी और कोई नहीं मिल सकता।

काबिलियत जानने का मौका

हर रोज उसी रूटीन से जूझते हुए शायद आप ये भूल जाएं कि आपकी पत्नी, बहन, बेटी या घर की अन्य महिला संगीत या नृत्य में भी रूचि रखती है या कि आपके पापा या भाई बहुत अच्छी व्हिसिलिंग करते हैं या कि आपके घर का कोई सदस्य तैराकी करना बहुत पसंद करता है या फिर किसी की फोटोग्राफी स्किल्स बहुत ही शानदार हैं। छुट्टियों में साथ समय बिताने से ऐसी कई बातें सामने आती हैं और आपको यह याद दिलाती हैं कि हर व्यक्ति ख़ास है, हर व्यक्ति में कोई हुनर है। इस बात का एहसास ही अपनेआप में ख़ास है क्योंकि यह आपको उस व्यक्ति के बारे में करीब से सोचने का, उसके प्रति सम्मान महसूस करने का अवसर देता है और रिश्तों में गर्माहट भरने का काम भी करता है।

हंसना मना है

एक बेरोजगार का दर्द... यहां रेलवे ग्रूप डी की तैयारी नहीं हो पा रही....! और... सोनी मैक्स पर हीरालाल ठाकुर की बहू हर हफ्ते आईएएस क्लियर कर देती है...!!!

शाम को पति के घर आते ही पत्नी ने किच-किच शुरू कर दी, परेशान पति - अरे यार दिनभर का थका-हारा आया हूं, पहले फ्रेश तो होने दो..! पत्नी - मैं भी तो दिनभर अकेली थी, तो मैं भी फ्रेश ही हो रही हूं...!!!

पप्पू परेशान था... गप्पू ने पूछा - क्या हुआ? पप्पू - यार लेटर से धमकी मिली है कि मेरी बीवी से इश्क बंद कर दो, नहीं तो जान से मार दूंगा! गप्पू - ठीक तो है, बंद कर दो! पप्पू - लेटर गुमनाम है, समझ नहीं पा रहा हूं किसकी बीवी से इश्क बंद करना है...!!!

लड़की ने घबराकर मायके फोन किया... लड़की - मां, मेरी रात में उनसे लड़ाई हो गई! मां - कोई बात नहीं बेटी, पति-पत्नी के बीच लड़ाई होती रहती है..! लड़की - अरे वो सब तो ठीक है, लेकिन अब ये बताओ कि लाश का क्या करना है...!!! यह सुनकर मां ही हो गई बेहोश...

कहानी — राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते है और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख: इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कोई बहुत पसंदीदा व्यक्ति आपसे मिलने आपके घर आ सकता है। आप दिनभर विचारों में उलझे रह सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण बनाए रखें नहीं तो नुकसान हो सकता है।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वास्थ्य बढ़िया रहने से मन हर्षित होगा लेकिन खर्चे बने रहेंगे जिससे आपकी जेब पर बोझ बढ़ेगा।

मिथुन
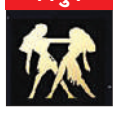
आज जिंदगी में होने वाला बदलाव आपके फेवर में रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। आप किसी नये कोर्स में एडमिशन लेने की सोचेंगे।

कर्क

आज कार्यक्षेत्र में समस्याओं को हल करने से अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे। जीवनसाथी तथा परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा।

सिंह

आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपने जीवन साथी की सारी बातें सुनेंगे और समझेंगे और उन्हें अपने जीवन में स्थान देंगे।

कन्या

आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

तुला

आज किसी प्रकार का कोई गलत कदम न उठाएं। धन की चिंता समाप्त होगी। व्यापार के क्षेत्र में अपार तरक्की मिलेगी। आपके घर-परिवार में खुशियां आएंगी।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। परिवार में चल रही समस्याओं को सुलझाने में अपना अधिकांश समय लगाएंगे। परिवार का तनाव आप पर हावी रहेगा।

धनु

आज आप अपने माता-पिता के साथ शॉपिंग के लिए जायेंगे। आपको अच्छा डिस्काउंट मिलेगा। इस राशि के जो लोग पर्यटन से जुड़े हैं, उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।

मकर

विद्यार्थियों को अपने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग खुद को दृढ़ता से स्थापित करेंगे।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है और आप बीमार पड़ सकते हैं। इनकम में गिरावट आ सकती है।

मीन

आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करेंगे। आपको किसी सामाजिक कार्य में शामिल होने का मौका मिलेगा। मेहनत से काम में आपको सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

नवाजुद्दीन ने आलिया के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता हैं। वह अपनी फिल्मों और वेब सिरीज में अपने अभिनय को लेकर चर्चाओं में रहते हैं। लेकिन इन दिनों एक्टर अपनी निजी जिंदगी को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। बता दें कि एक्टर की पूर्व पत्नी आलिया सिद्दीकी ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसको लेकर नवाज ने अब अपनी बात रखते हुए अपनी चुप्पी तोड़ी है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपना बयान दिया है। जिसमें उन्होंने पूर्व पत्नी की ओर से लगाए गए आरोपों और अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। इस पोस्ट में उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा मैं किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं लेकिन ये मेरी भावनाएं हैं जो मैं अपने फैंस के सामने रख रहा हूं। इसके बाद तस्वीरों के जरिए कुछ टेकस्ट शेयर किये जिसमें लिखा मेरे चुप रहने की वजह से मुझे एक बुरा इंसान माना जा रहा है। मैं अब तक इसलिए चुप था क्योंकि मैं जानता हूं कि ये सब तमाशा कहीं न कहीं मेरे बच्चे भी पढ़ेंगे। सोशल मीडिया, प्रेस और कुछ लोग मेरे इस चरित्र हनन का खूब मजा ले रहे हैं। लेकिन में आप लोगों के सामने कुछ बातें रखना चाहता हूं। नवाज ने आगे लिखा सबसे पहले मैं ये साफ कर देना चाहता हूं कि मैं और आलिया कई सालों से अलग रह रहे हैं और हमारा तलाक हो चुका है। वहीं क्या मुझे कोई इस बात का जवाब देगा कि मेरे बच्चे बीते 45 दिनों से स्कूल क्यों नहीं जा रहे? मुझे स्कूल से लगातार लेटर आ रहे हैं कि आपके बच्चे स्कूल नहीं आ रहे हैं। नवाज ने अपने इस पोस्ट में आलिया सिद्दीकी पर भी कई सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा कि आलिया सिर्फ पैसा चाहती हैं, इसलिए उन्होंने मेरी मां और मुझ पर कई केस दर्ज किए हैं। यह उनकी आदत बन चुकी है। जब उनकी मांग पूरी हो जाती है तो वह केस वापस ले लेती हैं।

मैं अपने बच्चों को नार्मल स्टाइल दूंगा : शाहिद कपूर

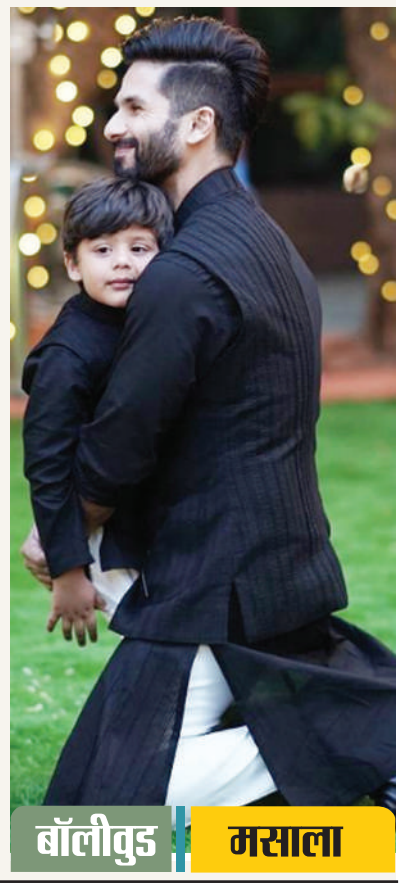

बॉलीवुड | मसाला

शाहिद कपूर बॉलीवुड के टैलेंटेड एक्टर्स में शामिल हैं। हाल ही में शाहिद की सीरीज 'फर्जी' ओटोटी पर रिलीज हुई थी। इस शो को काफी पसंद किया गया है। वहीं 'फर्जी' की सफलता एंजॉय कर रहे शाहिद कपूर ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में अपने बच्चों मीशा कपूर और बेटे जैन कपूर के बारे में बात की। 'कबीर सिंह' एक्टर ने कहा कि वे अपने बच्चों के लिए नॉर्मल लाइफ स्टाइल चाहते हैं। शाहिद ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे उनके बच्चे बड़े होते जा रहे हैं उन्हें उनके प्रोफेशन के बारे में पता चल रहा है।

इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में शाहिद ने कहा, ईमानदारी से माता-पिता के रूप में ये मेरी ड्यूटी है कि मैं अपने बच्चों को जितना हो सके नॉर्मल लाइफ स्टाइल दूं। मैं निश्चित रूप से कुछ चीजों को नहीं बदल सकता हूं लेकिन मैं वह सब कुछ करूंगा जो उन्हें उसके करीब ले जाए। यही फेयर है। जब आप एक एक्टर बन जाते हैं तो आपको बाद में पता चलता है कि मेरी वजह से इतनी दिक्कतें हो रही हैं। मैं उन्हें जितना पॉसिबल होगा उतनी नॉर्मल सिचुएशन दूंगा। मैं खुद नॉर्मल लाइफ के लिए तरसता हूं। मुझे लगता है कि जीवन में सिंपल चीजों की बहुत अहमियत है। यह आपको बिल्कुल नॉर्मल महसूस कराता है

शाहिद ने इंटरव्यू के दौरान ये भी शेयर किया कि अब उनके बच्चे ये समझ रहे हैं कि उनके पिता एक्टर हैं। शाहिद ने कहा, बड़े हो रहे हैं तो अब पता चल रहा है। यह ऐसा ही है और मुझे लगता है कि इसे किसी दिन होना ही था।

शाहिद ने 7 जुलाई 2015 को दिल्ली में एक इंटीमेट वेडिंग में मीरा राजपूत के साथ शादी की थी। बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल में से एक शाहिद और मीरा दो बच्चों के पैरेंट्स हैं। बेटी मीशा कपूर और बेटा ज़ैन कपूर। मीशा का जन्म 2016 में हुआ था और 2018 में कपल ने अपने बेटे ज़ैन कपूर का वेलकम किया था। पिछले साल शाहिद और मीरा ने अपनी शादी की सातवीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट की थी।

नोरा फतेही का बेली डांस अमेरिका में मचाया धूम

बी टाउन की टॉप डांसर की बात की जाए तो उसमें नोरा फतेही का नाम जरूर शामिल होगा। अपने किलर डांस मूव्स के लिए नोरा फतेही का नाम काफी मशहूर है। या फिर ये कह लीजिए की अपने शानदार डांस से नोरा फतेही ने डांस की नई परिभाषा दी है। इस बीच नोरा फतेही का एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में नोरा फतेही सुपरस्टार अक्षय कुमार के अमेरिका में द एंटरटेनर्स टूर के दौरान स्टेज पर जबरदस्त बेली डांस करती दिख रही हैं।

इंस्टेंट बॉलीवुड ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि नोरा फतेही रेड कलर की शॉर्ट और स्टाइलिश ड्रेस में स्टेज पर शानदार डांस कर रही हैं।

दरअसल इस वीडियो में नोरा फतेही बॉलीवुड फिल्म सत्यमेव जयते 2 के अपने पॉपुलर सॉन्ग कुसु कुस पर जबरदस्त बेली डांस करती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो में नोरा फतेही के किलर डांस मूव्स देखने लायक हैं।

साथ ही आप भी नोरा के इस गजब डांस की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाएंगे। नोरा फतेही का ये वीडियो अमेरिका में हाल ही में हुए बॉलीवुड के दमदार एक्टर अक्षय कुमार के एंटरटेनर्स टूर के दौरान का है। सोशल मीडिया पर नोरा फतेही के इस शानदार डांस वीडियो ने आग लगा दी है। फैंस नोरा के इस वीडियो पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

नोरा फतेही के अलावा सुपरस्टार अक्षय कुमार के इस यूएस टूर का हिस्सा कई और फिल्मी सितारे भी रहे। इसमें बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस मौनी रॉय, सोनम बाजवा, दिशा पाटनी और अपारशक्ति खुराना का नाम शामिल है। इससे पहले इस टूर के दौरान अक्की और नोरा के डांस वीडियो भी वायरल हो चुके हैं।

अजब-गजब | इस आइलैंड पर खाने की है अलग परंपरा

यहां खाने में मिट्टी डालकर खाते हैं लोग

खाने पीने के मामले में दुनिया के अलग-अलग देशों में भिन्न भिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं। लेकिन इन व्यंजनों को बनाने के लिए मसालों का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। क्योंकि बिना मसालों के खाने में किसी भी प्रकार का स्वाद नहीं आता। आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां के लोग खाने में मसालों की जगह मिट्टी का इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि यहां की मिट्टी बेहद स्वादिष्ट होती है और इसके साथ ही सेहतमंद भी। इसलिए लोग मिट्टी को खाने में मसाले की तरह इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ईरान के होरमूज आइलैंड की।

इस आइलैंड पर रहने वाले लोग मसालों की जगह मिट्टी का खाने में इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि खूबसूरत पहाड़ों की वजह से यह आईलैंड वहां के लोगों के लिए बेहद खास है। लेकिन इन पहाड़ों की सबसे खास बात है कि यहां की मिट्टी रंग बिरंगी है जिसकी वजह से इस आईलैंड को रैनबो आईलैंड के नाम से भी जाना जाता है। ईरान के इस आईलैंड के खूबसूरत रंग-बिरंगे पहाड़ों की तस्वीरें कई बार सोशल मीडिया में आ चुकी हैं। जिन्हें देखकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे और सोच में पड़ जाएंगे कि आखिर मिट्टी इतनी खूबसूरत कैसे हो सकती है। आपने भी शायद पहली ही बार सुना होगा कि ईरान के इन खूबसूरत पहाड़ों की मिट्टी मसाले की तरह खाई जाती है। यही नहीं यहां पर आने वाले पर्यटक भी इन पहाड़ों की मिट्टी का स्वाद लेना नहीं भूलते। हालांकि पहले तो वह मिट्टी खाने से कतराते हैं, लेकिन जब उनका गाइड उन्हें मिट्टी खाने की सलाह देता है तो वह शौक से उसे खाते हैं और दंग रह जाते हैं।

बता दें कि यह खूबसूरत आईलैंड फारस की खाड़ी में स्थित है और यहां की मिट्टी में भरपूर खनिज हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां की मिट्टी में बहुत ज्यादा आयरन और लगभग 70 तरह के खनिज पाए जाते हैं। यही नहीं यहां के पहाड़ों पर नमक के टीले भी मौजूद हैं। इन पहाड़ों पर शेल, मिट्टी और आयरन की परतें जमी हुई हैं। जिसकी वजह से पहाड़ रंग बिरंगे नजर आते हैं।

ब्रिटेन के जियोलॉजीकल रिसर्च की चीफ भूवैज्ञानिक डॉ. कैथरीन गुडइनफ के मुताबिक, करोड़ों साल पहले फारस की खाड़ी के पास स्थित उथले सागरों में नमक की मोटी परत जम गई थी। इसके बाद से इसके ऊपर नई परतें जमा होती गईं। जिससे इस आइलैंड की मिट्टी खूबसूरत हो गई।

यहां होली पर दामाद को गधे पर बैठाकर घुमाते हैं पूरे गांव में

होली का त्योहार मस्ती मजाक का त्योहार है। रंगों का त्योहार होली देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। होली पर ज्यादातर लोग रंगों और पानी से होली खेलते हैं। लेकिन देश में कई जगहें ऐसी भी हैं, जहां होली के दिन अजीब परंपराएं निभाई जाती हैं। होली पर देश के अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। इन जगहों में भारत की एक ऐसी जगह भी शामिल है जहां अनोखे तरीके से होली मनाई जाती है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। महाराष्ट्र के बीड जिले में होली अनोखे तरीके से मनाई जाती है। यहां होली के दिन गांव के दामाद को गधे पर बैठाया जाता है और पूरे गांव में घुमाया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि बीडे जिले में इस तरह से होली मनाने की परंपरा 80 साल से चली आ रही है। बीड जिले के एक गांव में होली मनाने की यही परंपरा है। इस गांव के लोग अपने नए दामाद को होली पर अपने घर आने का न्यौता देते हैं। बीड जिले के इस गांव में होली से पहले नवविवाहित दामाद की तलाश की जाती है। यह अनोखी परंपरा गांव के दामाद के साथ की जाती है। होली के दिन दामाद को गधे पर लादकर रंग लगाकर घुमाते हैं। इसके अलावा लोग दामाद को उपहार भी देते हैं। ऐसा कहा जाता है कि करीब 80 साल पहले बीड जिले के विदा येवता गांव में एक देशमुख परिवार रहता था। इस परिवार के दामाद ने होली के दिन रंग लगाने से मना कर दिया था। इसके बाद उसके ससुराल वालों ने उसे रंग लगाने के लिए मना लिया। इसके बाद उन्होंने एक गधे को फूलों से सजाया और उस पर दामाद को बिठाकर पूरे गांव का चक्कर लगाया। तब से यह परंपरा चली आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि आनंदराव देशमुख नाम के शख्स ने इस परंपरा की शुरुआत की थी. ऐसी होली उन्होंने सबसे पहले अपने दामाद के साथ मनाई थी। कहा जाता है कि कई बार लोग मजाक के तौर पर दामाद को गधा गिफ्ट कर उस पर बिठा देते हैं। इसके अलावा उनकी पसंद के कपड़े भी मुहैया कराए जाते हैं।

फोटो: सुमित कुमार

हर्षोल्लास से मनी होली

राजधानी लखनऊ में रंगों का त्योहार होली बुधवार को मनाया गया, पूरी राजधानी रंग और उमंग से सरोबार रही। पुराने लखनऊ के चौक इलाके की मशहूर होरियारों की टोली हमेशा से आकर्षण का केंद्र रही। हर वर्ष के भांति इस साल भी चौक की होली में पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा भी शामिल हुए। पूर्व उपमुख्यमंत्री शर्मा, पूर्व मंत्री आशुतोष गोपाल टंडन और लखनऊ की पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया एक खुली जीप में सवार होकर इस बारात का हिस्सा बनीं।

जो खुद भ्रष्टाचारी वो सपा पर लगा रहा आरोप: अखिलेश

» डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर नेता प्रतिपक्ष का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्विटर के जरिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर तीखा हमला बोला है। पहले पार्टी के मीडियासेल से ट्वीट किया गया। फिर इसे अखिलेश यादव ने रीट्वीट किया।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। सपा के ट्विटर हैंडल से इस पर पलटवार करते हुए लिखा गया कि यूपी सरकार में भ्रष्ट व घूसखोर मंत्री सपा पर इल्जाम लगा रहे हैं। जबकि स्वास्थ्य मंत्रित्वकाल में अस्पतालों में दवाएं, स्ट्रेचर, व्हील चेयर, बेड नहीं मिल रहे हैं। अस्पतालों में डॉक्टर नहीं है। ये वसूली के लिए दौरा करते हैं। इनके विभाग में जमकर भ्रष्टाचार चल रहा है। ये जिलों के दौरे कर नायक की नौटकी करते हैं। अखिलेश ने इस ट्वीट को रीट्वीट किया है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने होली पर प्रदेशवासियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया करने और समाजवादी पार्टी को जिताकर लोकतंत्र बचाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने का लगातार प्रयास कर रही हैं। ऐसे में लोगों को सजग होना होगा। उन्होंने सैफई में मुलायम सिंह यादव की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि नेताजी की पावन स्मृतियां हमारे हृदय में सदैव जीवंत रहेगी। उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान मौजूद युवाओं ने संघर्ष में साथ देने का वायदा दोहराया।

निधन पर जताया शोक

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं किछौछा शरीफ के सज्जादानशीन सैय्यद फखरुद्दीन अशरफ के निधन पर शोक जताया है। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अपर्ति की है। इसी तरह प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री रणजीत सिंह जूदेव के निधन पर श्रद्धांजलि दी है।

चुनावी तैयारी में जुटी सपा

समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। सभी विधायकों को क्षेत्र में रहने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश में शुरू हो रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम पर भी फोकस करने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जिलेवार दौरा शुरू करेंगे। समाजवादी पार्टी ने सभी लोकसभा सीटें पर सहयोगियों के साथ चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अभी किसी नए दल से गठबंधन से इनकार कर रहे हैं।

कोलकाता बैठक के बाद शुरू होगा दौरा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 11 मार्च को गुजरात दौरे पर जा सकते हैं। गुजरात विधानसभा में सपा एक विधायक भेजने में कामयाब रही है। ऐसे में वह वहां आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने जाएंगे। इसके बाद 17 से 19 तक कोलकाता में हो रही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेंगे। वहां से लौटने के बाद वह जिलेवार दौरे पर निकलेंगे।

अफवाह फैला रही है बीजेपी: स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रवासी मजदूरों की पिटाई मामले पर लगाया आरोप

चेन्नेई। तमिलनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन ने बीजेपी पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। प्रवासी मजदूरों की पिटाई मामले में उत्तर भारत के बीजेपी नेताओं को कसूरवार ठहराया है। स्टालिन ने कहा कि यह सरासर झूठी खबर है जिसे लेकर अफवाह फैलाई जा रही है। स्टालिन ने आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा बीजेपी के खिलाफ विपक्ष के आह्वान के बाद ही क्यों किया गया। इससे यह साफ हो जाता है कि तिलमिलाई बीजेपी ने महज राज्य को बदनाम करने के लिए मनगढ़ंत कहानी रची है। सीएम ने कहा कि प्रवासी मजदूरों को राज्य में किसी तरह की समस्या नहीं है। किसी ने फर्जी वीडियो बनाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की है। सीएम स्टालिन ने गैर बीजेपी शासित राज्यों में राज्यपालों के रवैये पर भी सवाल खड़े किए। स्टालिन ने कहा कि बीजेपी को यह समझने की जरूरत है कि विरोधी पार्टियों का सामना चुनाव से करें न कि जांच एजेंसियों का सहारा लेते हुए।

बीते दिनों तमिलनाडु में कथित तौर पर एक प्रवासी मजदूर की पिटाई का वीडियो वायरल हुआ था। जिसको लेकर अफवाह फैली कि वह बिहार का रहने वाला है। इस पूरे वाकये के बाद सीएम स्टालिन ने मामले का संज्ञान लिया। सीएम स्टालिन ने एक आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा कि उत्तरी राज्यों के श्रमिकों को तमिलनाडु में काम करने को लेकर किसी भी प्रकार की शंका करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई किसी तरह की धमकी देता है तो वे पुलिस को सूचित करें। हमारे राज्य की पुलिस तुरंत इस पर कार्रवाई करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए झूठे दावों को स्टालिन ने सिरे से खारिज कर दिया। सीएम ने कहा कि ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ पर लटका मिला किशोरी का शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। जिले में तिर्वा कोतवाली क्षेत्र में खेत में जानवरों के लिए चारा लेने गई किशोरी का शव गांव के बाहर एक पेड़ से लटका मिला। वह एक दिन पहले बुधवार को घर से निकली थी। शाम तक नहीं आने से परिजन परेशान थे। तलाश के बाद भी नहीं मिलने पर तिर्वा कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

अगले दिन गुरुवार की दोपहर उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। मामला तिर्वा कोतवाली के सेमपुर गांव का है। बताया जा रहा है कि गांव निवासी मुन्नू यादव की 14 वर्षीय पुत्र नैंसी बुधवार की सुबह घर से चारा लाने के लिए खेत पर पर गई थी। दोपहर तक वापस नहीं होने पर परिजन परेशान हुए। देर शाम तक भी वह नहीं लौटी, तो तालश की। कहीं पता नहीं चलने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसके बाद भी तलाश करते रहे। इस बीच गुरुवार की सुबह नैंसी का शव गांव के बाहर खेत में नीम के पेड़ पर दुपट्टा लटका मिला।

ख्वाजा-ग्रीन डटे, आस्ट्रेलिया मजबूत

» अंतिम टेस्ट- कंगारू टीम का स्कोर भारत के खिलाफ 300 के पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा और आखिरी मैच खेला जा रहा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की नजर से भारत के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट गंवाकर 328 रन बना लिए हैं। फिलहाल कैमरन ग्रीन 83 रन और उस्मान ख्वाजा 143 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

भारतीय गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए हैं। इन दोनों के बीच फिलहाल पांचवें विकेट के लिए 160 रन से ज्यादा की साझेदारी हो चुकी है। इससे पहल टॉस जीतकर पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट गंवाकर 255 रन बनाए। दूसरे दिन का खेल जारी है। दूसरे दिन करीब एक घंटे का निकल चुका है और भारतीय टीम आज विकेट के लिए तरस गई है। आज 17 ओवर में भारतीय टीम एक भी विकेट नहीं ले पाई है। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर फिलहाल चार विकेट पर 296 रन है। कैमरन ग्रीन 65 रन और उस्मान ख्वाजा 129 रन बनाकर बल्लबाजी कर रहे हैं। दोनों के बीच अब तक पांचवें विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारत के लिए शमी ने दो और अश्विन-जडेजा ने एक-एक विकेट लिया।

कमिंस की मां का निधन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मां मारिया कमिंस का सिडनी में निधन हो गया। मारिया ने लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को अंतिम सांस ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और बीसीसीआई ने पैट कमिंस व उनके परिवार के लिए संवेदना प्रकट की है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साथ ही बताया कि ऑस्ट्रेलियाई टीम सम्मान के रूप में काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ट्वीट किया, हम मारिया कमिंस के निधन से गहरे दुख में हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की तरफ से हम पैट, कमिंस परिवार और उनके दोस्तों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम आज सम्मान के रूप में काली पट्टी बांधकर खेलेगी।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

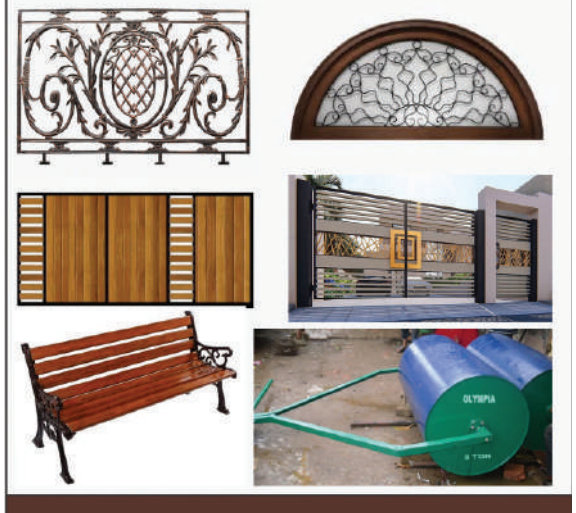

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

केंद्र की भाजपा सरकार हिरण्यकश्यप की तरह : केजरीवाल

» बोले-प्रह्लाद को कारागृह में डाल दिया, न तब रोक पाए न अब रोक पाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद मनीष सिसोदिया को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) एक-दूसरे पर हमलावर हैं। एक ओर जहां शुक्रवार सुबह भाजपा ने एक पोस्टर जारी कर सिसोदिया और जैन का एक पोस्टर जारी कर आप पर हमला किया। वहीं अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट कर केंद्र की भाजपा सरकार को इशारों-इशारों मे हिरण्यकश्यप कह दिया।

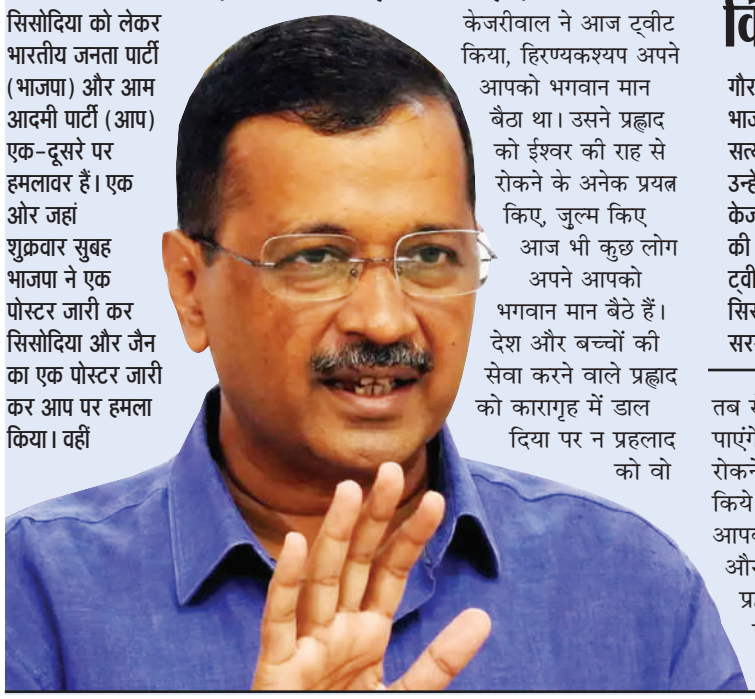

केजरीवाल ने आज ट्वीट किया, हिरण्यकश्यप अपने आपको भगवान मान बैठा था। उसने प्रह्लाद को ईश्वर की राह से रोकने के अनेक प्रयत्न किए, जुल्म किए आज भी कुछ लोग अपने आपको भगवान मान बैठे हैं। देश और बच्चों की सेवा करने वाले प्रह्लाद को कारागृह में डाल दिया पर न प्रहलाद को वो तब रोक पाए थे, न अब रोक पाएंगे। प्रह्लाद को ईश्वर की राह से रोकने के अनेक प्रयत्न किये, जुल्म किये। आज भी कुछ लोग अपने आपको भगवान मान बैठे हैं। देश और बच्चों की सेवा करने वाले प्रह्लाद को कारागृह में डाल दिया। पर न प्रहलाद को वो तब रोक पाये थे, न अब रोक पायेंगे।

भाजपा ने जारी किया था पोस्टर

गौरतलब है कि इससे पहले आज भाजपा ने मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन का एक पोस्टर जारी कर उन्हें घोटालेबाज बताया है और केजरीवाल को उनका सरगना बताने की कोशिश की है। भाजपा ने पोस्टर ट्वीट करते हुए लिखा, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र तो झांकी है, इनका सरगना केजरीवाल अभी बाकी है।

पंजाब में मान सरकार ने पेश किया बजट

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बजट पेश किया। चीमा भगवंत मान सरकार का यह दूसरा बजट पेश कर रहे हैं। बजट में आप सरकार का स्वास्थ्य, शिक्षा कृषि व रोजगार पर फोकस है। चीमा ने कहा कि पंजाब सरकार का रंगीले पंजाब का सपना है। उनकी सरकार तीन करोड़ पंजाबियों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। वित्त मंत्री ने राहत इंदौरी का शेर हमसे पहले भी मुसाफिर गुजरे होंगे, कम से कम राह के पत्थर तो हटा देते पढ़ते हुए पूर्ववर्ती सरकारों पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को हजारों करोड़ रुपये की बकाया राशि विरासत में मिली है। चीमा ने 1,96,462 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 26 प्रतिशत अधिक है। विधानसभा चुनाव से पूर्व आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये देने का वादा किया था। बजट में चीमा ने अभी तक इसका जिक्र नहीं किया है।

बीएसएफ की भर्तियों में अग्निवीरों को 10 फीसदी आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूर्व-अग्निवीरों के लिए बीएसएफ के भीतर रिक्तियों में 10 फीसदी आरक्षण देने की घोषणा की है। इसके साथ ही अग्निवीरों को ऊपरी आयु-सीमा मानदंडों में छूट दी जाएगी। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे अग्निवीर पहले बैच का हिस्सा हैं या बाद के बैचों का। गृह मंत्रालय ने छह मार्च को इस संबंध में घोषणा आदेश को मंजूरी देते हुए एक अधिसूचना भी जारी कर दी है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में घोषणा की गई है कि अग्निवीर भर्ती के पहले बैच से पास आउट होने वाले 25 फीसदी उम्मीदवारों को सीधे सेना में स्थायी नौकरी दी जाएगी। जबकि शेष 75 फीसदी अग्निवीर उम्मीदवारों को सेना की विभिन्न यूनिटों, पुलिस भर्ती, केंद्रीय सशस्त्र बलों आदि की नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा कई अन्य लाभ भी मिलते हैं। अधिसूचना के अनुसार, शेष 75 फीसदी उम्मीदवारों जो अन्य सैन्य बलों में आवेदन करने के इच्छुक होंगे उन्हें इस अधिसूचना के तहत बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी बीएसएफ की भर्ती में 10 फीसदी आरक्षण के अलावा पहले बैच में सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु-सीमा नियम में पांच साल की छूट दी जाएगी।

उमेश पाल हत्याकांड : अतीक अहमद के नाबालिग बेटों के मामले में आज सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में उमेश पाल शूटआउट केस में नामजद माफिया अतीक अहमद के नाबालिग बेटों के मामले में आज सुनवाई होगी। प्रयागराज की सीजेएम कोर्ट में शाम 4 बजे इस मामले पर सुनवाई होगी।

प्रयागराज पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि अतीक के दो नाबालिग बेटे एहजम और आबान 2 मार्च को घर के पास लावारिस हालत में टहलते हुए मिले थे। नाबालिग होने की वजह से उन्हें बाल संरक्षण गृह में दाखिल करा दिया गया था। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने सीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया है

कि उनके बेटे बाल संरक्षण गृह में नहीं हैं। सीजेएम कोर्ट ने इस बारे में प्रयागराज पुलिस और बाल संरक्षण गृह के अधीक्षक से रिपोर्ट तलब किया है। दोनों को आज कोर्ट में अपनी रिपोर्ट पेश करनी है।

खाई में गिरी कार, सेना के जवान सहित चार युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के अंतर्गत नेरवा में होली की खुशियां मातम में बदल गई। जहां चार घरों के चिराग एक साथ बुझ गए। जानकारी के अनुसार नेरवा में एक कार गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी में सवार 4 युवकों को खाई से निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही चारों ने दम तोड़ दिया। यह गाड़ी नेरवा की ओर आ रही थी। सुबह लगभग 10:30 बजे यह गाड़ी केदी नेरवा मार्ग पर लगभग 200 मीटर खाई में जा गिरी है। इस गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त में चार युवकों की नेरवा अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत्यु हो गई है।

इन्फ्लुएंजा से देश में दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एच-3एन-2 इन्फ्लूएंजा से पहली बार मौतों की खबर सामने आई है। हेल्थ मिनिस्ट्री के सूत्रों के अनुसार हरियाणा और कर्नाटक में एन्फ्लुएंजा के मरीजों की मौत हुई है। देश में अभी तक एच-3एन-2 के 90 केस सामने आए हैं।

कर्नाटक-हरियाणा के थे मरीज

पिछले दो महीने से राजधानी दिल्ली समेत भारत के कई हिस्सों में इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद फ्लू के बढ़ते मामलों से लोगों में डर है, क्योंकि इससे जूझ रहे मरीजों में कोरोना जैसे ही लक्षण देखने को मिल रहे हैं। बीते कुछ दिनों में दिल्ली और आसपास के इलाकों से कई ऐसे मरीज अस्पताल पहुंचे हैं, जो 10-12 दिनों से तेज बुखार के साथ खांसी से परेशान हैं। एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने देश में फैल रहे एच-3एन-2 इन्फ्लूएंजा से लोगों को सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह कोरोना के जैसी ही फैलता है। इससे बचने के लिए मास्क पहनें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और बार-बार हाथ धोते रहें। बुजुर्गों और पहले से ही किसी बीमारी से परेशान लोगों को इससे ज्यादा परेशानी हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने न्यूयॉर्क टाइम्स पर की टिप्पणी, कहा-

आजादी के नाम पर प्रोपेगेंडा फैला रही विदेशी मीडिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कुछ विदेशी अखबारों की आलोचना की है। उन्होंने अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत को लेकर कुछ भी प्रकाशित करते हुए बहुत पहले ही अपने तटस्थता के दावों को छोड़ दिया है। अनुराग ने कश्मीर में प्रेस की आजादी पर न्यूयॉर्क टाइम्स के लेख को शरारती और काल्पनिक बताया है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट का मकसद भारत और उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और मूल्यों के बारे में प्रोपेगेंडा फैलाना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, न्यूयॉर्क टाइम्स और कुछ अन्य एक ही मानसिकता वाली विदेशी मीडिया की तरफ से भारत और हमारे लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी

के बारे में झूठ फैलाया जा रहा है। ऐसा झूठ ज्यादा दिन नहीं चल सकता।

उन्होंने कहा कि कुछ विदेशी मीडिया पीएम मोदी और भारत के बारे में पिछले लंबे समय से झूठ फैलाने की कोशिश कर रही हैं। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता मौलिक अधिकारों की तरह ही पवित्र है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र और हम लोग बहुत परिपक्व हैं। हमें ऐसे एजेंडे से चलने वाले मीडिया से लोकतंत्र का ग्रामर सीखने की जरूरत नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कश्मीर में प्रेस की आजादी को लेकर जो झूठ फैलाया है, वो निंदनीय है। भारतीय ऐसी मानसिकता को अपना निर्णायक एजेंडा नहीं चलाने देंगे।

अब सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट के लिए प्लेटफॉर्म की होगी जवाबदेही

बेंगलुरू। केंद्र सरकार ने डिजिटल इंडिया एक्ट 2023 की औपचारिक रूपरेखा पेश कर दी है। सरकार इंटरनेट मध्यस्थ के तौर पर काम करने वाले किसी भी थर्ड पार्टी को उनकी वेबसाइट पर की गई पोस्ट के लिए उत्तरदायी बनाने पर काम कर रही है। सरकार जल्द ही सेफ हार्बर नियम को हटाने पर विचार कर रही है। इसके लिए सरकार डिजिटल इंडिया बिल लाकर कानूनों को बदलने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सेफ हार्बर के पीछे तर्क यह था कि इंटरनेट प्लेटफॉर्म के पास कोई अन्य उपभोक्ता द्वारा बनाई गई सामग्री पर कोई शक्ति या नियंत्रण नहीं है। इसलिए उसे इस नियम के तहत सुरक्षा प्रदान की गई थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। सेफ हार्बर नियम इंटरनेट मध्यस्थों को प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा की गई सामग्री के खिलाफ कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। यह पुराने आईटी अधिनियम, 2000 का हिस्सा था। मंत्री ने कहा कि कानून एक सिद्धांत-आधारित नियम होने चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।